रागं: पहाडि

ताळम्: आदि

त्वमॆव शरणम्त्वमॆव शरणम्
कमलॊदर श्रीजगन्नाथा

1. वासुदॆव कृष्ण वामन नरसिंह
श्रीसतीश सरसिजनॆत्र
भूसुरवल्लभ पुरुषॊत्तम पीत
कौसॆयवसन जगन्नाथा

2. बलभद्रानुज परमपुरुष दुग्द
जलधिविहार कुञ्जरवरद
सुलभ सुभद्रासुमुख सुरॆश्वर
कलिदॊषहरण जगन्नाथा

3. वटपत्रशयन भुवनपालक जन्तु
घटकारकरण शृङ्गाराधिपा
पटुतर नित्यवैभवराय तिरुवॆङ्-
कटगिरिनिलय जगन्नाथा